''राजाराम मोहन राय के शैक्षिक विचारों का वर्तमान परिदृश्य में उपादेयताः एक अध्ययन''

डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी

राजाराम मोहन राय की शिक्षा व्यवस्था, धर्म, विज्ञान एवं आधुनिक शिक्षा के समन्वय से सम्बन्धित था। उनके अनुसार बालक को ऐसी शिक्षा प्रदान करनी चाहिए उसके अन्दर निहित शक्तियों का सम्पूर्ण विकास किया जा सके। राजाराम मोहन राय के अनुसार शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बालक के अन्दर सत्य, अहिंसा, न्याय, धर्म, धैर्य, सद्भाव, परोपकार, कौशल, अनुशासन, दया एवं प्रेम आदि गुणों को विकसित कर सके। इन गुणों से युक्त व्यक्ति ही अपने विकास के साथ–साथ समाज, राष्ट्र एवं विश्व के कल्याण हेतु सतत् प्रयत्नशील हो सकता है। उनके अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मात्र सूचना प्रदान करना या सूचना ग्रहण करने तक सीमित नही होना चाहिए, बल्कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिससे वह ज्ञान प्राप्त कर जनमानस के कल्याण हेतु कार्य कर सके।